अक्विला और प्रिस्किला दो व्यवसायिक तम्बू बनाने वाले।

## स्वेच्छा से कार्य करने वाले अपने लिये समर्थन और यीशु मसीह की देह की सेवकाई करें।

जो बच्चों को पढ़ाते हैं पढ़े व अध्ययन करे वी 3 ब

1. **परमेश्वर के वचन और प्रार्थना द्वारा अपने हृदयों को तैयार करे कि नये विश्वासियों को नियुक्त कर सके।**

**प्रार्थना:** ''प्रभु यीशु, हम सब आपसे प्रेम करते हैं और आपकी सेवकाई करना चाहते हैं। कृपया हमारे हाथ के कामों में उन्नति दे जिससे हम प्रति दिन की ज़रूरतों को पूरा कर सके, जिससे परमेश्वर की देह की लगातार सेवकाई करें और आपके राज्य का विस्तार करें उन क्षेत्रों में भी जाकर जो उपेक्षित हैं, सेवकाई करें।''

बहुत सारे जगहों पर चरवाहे और प्रेरित यीशु मसीह की देह की सेवकाई के साथ साथ अपने समर्थन के लिये दूसरे कार्य भी करते थे, जिस प्रकार अक्विला और प्रिस्किला ने किया था। यह क्षेत्र है:

अ) जहाँ विश्वासियों ने बहुत सी कलीसियायें व छोटे कोष्ठ बनाये।

ब) जहाँ आपने या प्रेरितो को जिनको आपने भेजा था, उनको आवश्यकता हुई कि भविष्य दक्ताओं की तरह कड़ी मेहनत द्वारा कार्य किया, जिस प्रकार पौलुस ने आलसी थिस्सलुनीकियों वासियों के साथ जो मसीही थे किया था, 2 थिस्सलुनीकियों 3:6-13

स) जहाँ पर असैनिक अधिकारी यीशु मसीह के पीछे चलने वालों के विरोधी हैं।

ड) जहाँ पर विश्वासी बहुत गरीब है कि अपने चरवाहे का भी पालन पोषण नहीं कर सकते और लगातार दूसरे नये अगुवों को बनाने में सहायता करते हैं।

जिस प्रकार आपका झुण्ड बहुत से नये कोष्ठों तथा कलीसियाओं को आरम्भ करने में, सहायता करता है, उसके लिये आप नये विश्वासियों को नियुक्त करे और उन्हें बतायें, कि उनको किस प्रकार निरन्तर सेवकाई करनी है। जब आप नये नये झुण्ड दूर दूर क्षेत्रों में तथा दूसरे शहरों में आरम्भ करते हैं तब शायद आप या दूसरे प्रेरित आप कोई छोटा उध्योग धन्धा उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये कर सकते हैं।

**अक्विला और प्रिसिला कौन सा छोटा धन्धा करते थे।**

**प्रेरितों के काम 18:1-3 में देखें**

- अक्विला और प्रिसिला कौन सा छोटा धन्धा करते थे(18:3)
- कौन सा शहर वे छोड़कर आये और कौन सा धन्धा वे अपने साथ लाये।(2)
- कौन सा सुसमाचार प्रचारक था जिसे उन्होने काम पर रखा, जब उसको ज़रूरत थी। (3)

**प्रेरितो के काम 18:24-26 में देखे.....**

- अक्विला और प्रिसिला ने अपने घर में किसको प्रशिक्षण दिया।
- वे अपुल्लोस को कहाँ पर मिले थे। *(एक अराधनालय में जिसमें यहूदी प्रार्थना के लिये जाते थे।)*

**रोमियो 16:3-5 में देखे.....**

- अक्विला और प्रिस्किल्ला को जो उनका पालन पोषण करते थे कैसे समझाया। (3)
- जहाँ पौलुस और वे लोग मिलकर कार्य करते थे वह स्थान सुरक्षित था या विरोधियो के अधिकार में। (4)
- वे कहाँ कलीसिया से मिलने जाते थे। (5)

**2. अपने सहकर्मियों के साथ मिलकर सप्ताह के लिये योजना बनायें कि किस प्रकार नये झुण्ड आरम्भ कर सकते हैं।**

अक्विला और प्रिस्किल्ला के बारे में जो कुछ सीखा है अपने, सह कर्मियों के साथ उस पर पुन: विचार करें। अपने सहकर्मियों को बतायें कि उन लोगों के पास दो तरह के कार्य थे, एक स्वतन्त्र कार्य कि अपनी रोज़ी रोटी कमाना और एक चरवाहे का कार्य कि वे परमेश्वर के लिये भी कार्य करते थे। वाद-विवाद करें कि क्या झुण्ड के लोग इस प्रकार के छोटे छोटे धन्धे कर सकते हैं जिनकी सहायता से नये झुण्ड आरम्भ किये जा सकें।

विस्तार से बतायें कि किस प्रकार छोटे छोटे या लघु उध्योग धन्धों का बढ़ावा दे सकते हैं।

- दूसरे नगर या शहर में जाकर छोटा धन्धा करना
- धन्धा इस प्रकार का हो जो स्वयं द्वारा चलाया जा सके।
- वे अपने सह-कर्मी को भी नौकरी दे सकते हैं जो नये झुण्डों मे कार्य कर रहा है।
- जिस धन्धे को शुरू करने में आसानी हो जिसमें बहुत अधिक मात्रा में प्रशिक्षण और बहुत महंगा सामान न इस्तेमाल करना पड़े।
- लोकल समुदाय के लोगों से मेल मिलाप बढ़ सके (स्थानीय)
- दो व्यवसायिक कार्यकर्ताओं को छूट दी जायें कि काम करने का समय अपनी इच्छानुसार चुनें।
- उनको परमेश्वर की सेवकाई अपने घरों में करने की अनुमति दी जाये।

वाद विवाद करें कि किस प्रकार के चरवाहे का काम वे करना चाहते हैं।

क्योंकि उनके पास बहुत से साधन नहीं है या खाली समय उनको चाहिये.....

- एक नये झुण्ड की अगुवाई अपने घर में ही करे जब तक दूसरे लोग अपने घरों को सेवकाई हेतु नहीं खोलते।
- छोटे झुण्डों में चेले बनायें न कि सार्वजनिक स्थानों में या आराधनालयों में।
- नये अगुवों को प्रशिक्षित करें निजी तौर से अथवा छोटे समूहों में।
- नये अगुवों को शीघ्रता से नये झुण्ड सौंप दें।
- इस प्रकार के अध्ययन करने समान, पढ़ने के लिये जैसा आप अभी कर रहें है, प्रशिक्षण के लिये प्राप्त करे। अध्ययन कार्य सस्ता, आसानी से नकल किया जा सके और तालिका के अनुसार (आप उपलेखित में से चुन सकते हैं।)

**3. आराधना को सुनियोजित बनाने के लिए अपने सहकर्मियों के साथ योजना बनायें।**

जिस प्रकार की क्रियायें आपको उचित लगती है और आपकी ज़रूरत के अनुसार है, चुनलें।

भाग 1 में दिया गया बाइबल का अध्ययन करें, और अक्विला और प्रिस्किल्ला के बारे में कहानी सुनायें।

अक्विला और प्रिस्किल्ला जैसे पात्रो को नाटक के रूप में करे।

भाग एक में जो कुछ आपने अध्ययन किया है उसमें जो कुछ पाया है, उस पर प्रश्न पूछें विश्वासियों को प्रोत्साहन दे और दो प्रकार के व्यवसायिक कार्यो को बतायें।

''दो व्यवसायिक'' कार्य करने वाले गवाही दे कि परमेश्वर ने उनके कार्य

प्रोत्साहित करना नये विश्वासियों में कैसे आशिष दी की किस प्रकार यीशु मसीह की। देह को वे स्वयं कार्य करके धन कमाकर अपनी जीविका कमाकर, चला सकते हैं।

बच्चे नाटक प्रस्तुत करें, कविता पाठ और प्रश्न तैयार करें।

प्रभु भोज आरम्भ करने के लिए पढ़े मत्ती 22:1-14 जिसमें एक मनुष्य का जो विवाह समारोह में तो गया परन्तु उसने विवाह के वस्त्र नही पहन रखे थे। हारून ने जो याजक के वस्त्र पहनता था जब परमेश्वर की मेज़ की सेवकाई करता था तुलना करे। समझायें कि हम सब भी ''यीशु मसीह को पहन लें आत्मिक वस्त्रों के समान जब हम परमेश्वर की मेज़ के पास आयें।

मिलकर याद करें प्रेरितो के काम 20:33-35

एक दूसरे को प्रोत्साहित करने के लिये विश्वासी छोटे छोटे समूह बनायें इकट्ठे मिलकर योजना बनायें और एक दूसरे के लिये प्रार्थना करे और उन लोगों के लिये भी जो उपेक्षित स्थानों में रहते हैं।

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net